Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—9109

PAPER—II

PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬤ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬤ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT
प्राकृत
PAPER – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

टिप्पणी : इमम्मि पण्हपत्ते पन्नास (50) बहु-विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति। पत्तेगं पण्हं **दुवे** (2) अंकस्स अत्थि। **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति।

1. आयरिय कुंदकुंदस्स गंथाण भासा अत्थि :

आचार्य कुंदकुंद के ग्रंथों की भाषा है :

The language of Ācārya Kund Kunda's works is :

(A) पैशाची

(B) मागधी

(C) शौरसेनी

(D) महाराष्ट्री

2. इमं कहणं सच्चं अत्थि :

यह कथन सत्य है :

This statement is true :

(A) प्राकृत में द्विवचन का प्रयोग नहीं होता।

(B) प्राकृत में विसर्ग का प्रयोग होता है।

(C) प्राकृत में विकल्प रुपों का प्रयोग नहीं है।

(D) प्राकृत में तीनों ऊष्मों-स,श,ष- का प्रयोग होता है।

3. पाइय भासम्मि पजुत्तो 'देवेट्टि' सद्दो वेदिक साहिच्चे इमम्मि रुवे अत्थि :

प्राकृत-भाषा में प्रयुक्त 'देवेहि' शब्द वैदिक साहित्य में इस रूप में प्राप्त है :

The word 'देवेहि' of Prakrit is found in vedic literature as

(A) देवानं

(B) देवेभि:

(C) दैवै:

(D) देवस्स

4. 'अप्पाण' सद्दस्स पढमा विहत्तीए एगवयणस्स पाइय रुवो इमं अत्थि :
'अप्पाण' शब्द का प्रथमा विभक्ति एकवचन में प्राकृत रूप यह होता है :
The nominative case ending in singular of 'अप्पाण' in Prakrit is :
(A) अप्पाणं
(B) अप्पाणादो
(C) अप्पण
(D) अप्पाणो

5. आहुणिय उत्तर-भारदीय भासाणं पमुह मूलो इमं भासा अत्थि :
आधुनिक उत्तर भारतीय भाषाओं का प्रमुख स्रोत यह है :
The main source of modern North Indian languages is :
(A) संस्कृत
(B) अपभ्रंश
(C) पालि
(D) वैदिक भाषा

6. मज्झ भारदीय अज्जभासाण कालो इमो अत्थि :
मध्य भारतीय आर्य भाषाओं का काल यह है :
The period of Middle Indo Aryan languages is :
(A) इस्वीसन् 400 से 800
(B) ई.पू. 1500 से 600 ई.पू.
(C) ई.पू. 600 से 1100 ई.सन्
(D) ई.सन् 1200 से 2000 ई.सन्

7. पढमं एवं बीयं समूहं सुट्ठु, मिलाणत्थं पढ।
प्रथम और द्वितीय समूहों को सही मिलान के लिए पढ़िए।
Read the unit-I and II for the correct match.

	I		II
(a)	सेतुबंध	(i)	विमलसूरि
(b)	वज्जालग्गं	(ii)	हरिभद्रसूरि
(c)	पउमचरियं	(iii)	प्रवरसेन
(d)	समराइच्चकहा	(iv)	जयवल्लभ

सुट्ठु मिलाणस्स उत्तरं लिह।
सही मिलान की पहचान कीजिए।
Identify the correct match.
(A) (a) + (iii)
(B) (b) + (ii)
(C) (c) + (iv)
(D) (d) + (i)

8. 'गाहासत्तसई' इमस्स विहाए गंथं अत्थि-

'गाहासत्तसई' इस विधा का ग्रंथ है-

'गाहासत्तसई' is work of this kind-

(A) नाटक

(B) महाकाव्य

(C) सिद्धांतग्रंथ

(D) मुक्तककाव्य

9. 'बृहत्कथा' गंथस्स इमा पाइय भासा अत्थि-

'बृहत्कथा' इस प्राकृत भाषा का ग्रंथ है-

The Brahatkatha was compose in this Prakrit language-

(A) शौरसेनी

(B) पैशाची

(C) ओड्री

(D) मागधी

10. दसवेयालिय गंथस्स रयणागारो अत्थि-

दशवैकालिक ग्रंथ के रचयिता हैं-

दशवैकालिक is composed by-

(A) भद्रभाहु

(B) कुंदकुंद

(C) शय्यंभव

(D) नेमिचंद्र

11. 'लोयपरिण्णा' अस्स आगमस्स भागो अत्थि-

'लोकपरिज्ञा' इस आगम का एक भाग है-

लोकपारिज्ञा' is a part of this आगम-

(A) आचारांगसूत्र

(B) उत्तराध्ययन सूत्र

(C) ज्ञाताधर्मकथा

(D) समवायांगसूत्र

12. इमो आयरिय कुंदकुंदस्स गंथो अत्थि–

यह आचार्य कुंदकुंद का ग्रंथ है–

This is the work of Ācārya Kundakunda-

(A) षट्खंडागम

(B) पंचास्तिकाय

(C) द्रव्यसंग्रह

(D) विपाकसूत्र

13. 'प्राकृत पैंगलं' गंथस्स रयणा–कालो अत्थि–

'प्राकृत पैंगलं' ग्रंथ का रचना–काल है–

The प्राकृत पैंगलं was composed in this century-

(A) चौदहवीं शताब्दी

(B) दसवीं शताब्दी

(C) आठवीं शताब्दी

(D) चौथी शताब्दी

14. पाइयलच्छीनाममाला इमस्स विहाए गंथो अत्थि–

पाइयलच्छीनाममाला इस विधा का ग्रंथ है–

पाइयलच्छीनाममाला belongs to this form-

(A) व्याकरण ग्रंथ

(B) कथा ग्रंथ

(C) चरितग्रंथ

(D) कोशग्रंथ

15. कई रायसेहरो इमस्स गंथस्स लेहगो अत्थि–

कवि राजशेखर इस ग्रंथ के लेखक हैं–

कवि राजशेखर is the author of this work-

(A) रंभामंजरी

(B) आणंदसुंदरी

(C) कर्पूरमंजरी

(D) श्रृंगारमंजरी

16. हाथीगुंफा सिलालेहो अत्थ ठाणे अत्थि–
हाथीगुंफा शिलालेख यहाँ पर स्थित है–
The Hāthigumpha inscription is found here-
(A) राजगृह
(B) श्रवणबेलगोल
(C) गिरनार
(D) खंडगिरि

17. हाथीगुंफा–सिललेहे पढमो पदो अत्थि–
हाथीगुंफा शिलालेख इस पद से प्रारंभ होता है–
The Hātigumpha inscription begins with-
(A) णमो तथागतो
(B) णमो भगवदो
(C) णमो अरहंताणं
(D) णमो उसहजिणो

18. 'घटयाल' पत्थर–अहिलेहो इमेणराएण संबद्धो अत्थि–
'घटयाल' प्रस्तर अभिलेख इस राजा से संबंद्ध है–
'घटयाल' rock inscription in related with this king-
(A) अशोक
(B) कक्कुक
(C) खाखेल
(D) चामुंडराय

19. असोगस्स अहिलेहाणि इमेण नामेण वि पसिद्धाणि–
अशोक के अभिलेख इस नाम से भी जाने जाते हैं–
The inscriptions of Ashoka are known as -
(A) धम्मलिपि
(B) धर्म्मचरण
(C) ब्राह्मीलिपि
(D) समण धम्म

20. सरसहिय वंजणलोवस्स उदाहरणं इमं अत्थि–

सस्वर व्यंजनलोप का उदाहरण यह है–

The example of elision of vowel with consonant is-

(A) राउल

(B) केलास

(C) पावं

(D) नयणं

21. इमं कहणं सच्चं अत्थि–

यह कथन सत्य है–

This statement is true-

(A) प्राकृत में गाहाछंद प्रयुक्त होता है।

(B) प्राकृत भाषा में छंद–शास्त्र नहीं है।

(C) प्राकृत आधुनिक युग की भाषा है।

(D) संस्कृत काव्य–शास्त्रियों ने प्राकृत का उपयोग नहीं किया है।

22. देव सद्दस्स 'देवेसुंतो' रूवो अस्स उदाहरणं अत्थि–

देव शब्द का 'देवेसुंतो' रूप इस का उदाहरण है–

The form देवेसुंतो of the word देव is the example of-

(A) सप्तमी बहुवचन

(B) पंचमी बहुवचन

(C) तृतीया एकवचन

(D) षष्ठी एकवचन

23. जिणाणं सद्दे इमा विहत्ती अत्थि–

'जिणाणं' शब्द में यह विभक्ति है–

The core ending in the work 'जिणाणं' is -

(A) सप्तमी

(B) द्वितीया

(C) षष्ठी

(D) पंचमी

24. इदं वंजणलोवस्स उदाहरणं अत्थि–

यह व्यंजनलोप का उदाहरण है–

This is the example of elicion of consonant -

(A) रामो

(B) कोत्थुहो

(C) णयणं

(D) बच्छो

25. इमो विरहंकस्स कविस्स गंथो अत्थि–

यह विरहांक कवि का ग्रंथ है–

The work of poet विरहांक is -

(A) वृत्तिजाति समुच्चय

(B) गाहालकखण

(C) छंद:कोश

(D) कविदर्पण

26. पवयणसारस्स पढमो अहियारो अत्थि–

प्रवचनसार का प्रथम अधिकार है–

The first chapter of Pravacahnasāra is -

(A) तत्वाधिकार

(B) जीवाधिकार

(C) ज्ञानाधिकार

(D) चारित्राधिकार

27. 'केसी–गोयम' संवादो इमस्स आगमस्स अंसो अत्थि–

'केसी–गोयम संवादो' इस आगम का भाग है–

'केसी–गोयम संवादो' is as part of this āgama-

(A) आचारांग सूत्र

(B) स्थानांग सूत्र

(C) उत्तराध्ययन सूत्र

(D) भगवती सूत्र

28. पवयणसारस्स णाणाहिगारस्स वण्ण विसयं अत्थि–
प्रवचनसार के ज्ञानाधिकार का वर्णविषय है–
The subject matter of ज्ञानाधिकार of प्रवचनसार is -
(A) निश्चय और व्यवहार
(B) पदार्थ विवेचन
(C) द्रव्यगुणविवेचन
(D) आत्मा और ज्ञान का संबंध

29. आयारंगस्स आरंभं इमेण अज्झयणेण होदि–
आचारांग का प्रारंभ इस अध्याय से होता है–
The Ācārānga starts with the chapter named-
(A) उपधानश्रुत
(B) श्रामण्याधिकार
(C) पिंडेषण
(D) शस्त्रपरिज्ञा

30. केसी–गोयम संवादस्स पमुहं वण्णं–विसयं अत्थि–
केशी–गोयम संवाद का प्रमुख वर्ण–विषय है–
The main subject matter of the केसी–गोयम संवाद is-
(A) गुरु–शिष्य संबंध
(B) चातुर्याम–पाँचमहाव्रत
(C) श्रावक–मुनि आचार
(D) क्रियाकांड–ज्ञानमार्ग

31. 'सुहं वसामो जीवामो जेसिं मो नत्थि किंचण' –इदं कहणं
इमम्मि अज्झयणे अत्थि–
उक्त उद्धहरण इस अध्यन में है–
This statment occur's in this chapter-
(A) विणय
(B) लोगविजय
(C) नमिपवज्जा
(D) केसी–गोयम

32. ''णाणं अट्ठवियप्पं मदि-सुद-ओही अणाणणाणाणि''

उवरि उत्तं गाहा अंसं इमम्मि गंथे पत्तमस्थि-

उपर्युक्त गथांश इस ग्रंथ में प्राप्त है-

The above line of the gāha is found in-

(A) सन्मति तर्क प्रकरण

(B) द्रव्यसंग्रह

(C) उत्तराध्ययन

(D) अष्टपाहुड

33. ''गइ-परिणयाण धम्मे पुग्गल जीवाण गमणसहयारी''

उवरि उत्ते गाहए अंसे अस्स दव्वस्स सरूवं कहिदं।

उपर्युक्त गाथांश में इस द्रव्य का स्वरूप कहा गया है।

The definition of this Substance is described in the above line of gātha

(A) धर्मद्रव्य

(B) अधर्मद्रव्य

(C) आकाश द्रव्य

(D) कालद्रव्य

34. संतुबंधस्स अपरणामं इदंअत्थि

सेतुबंध का अपरनाम यह है-

सेतुबंध is also known as-

(A) गउडवहो

(B) रावणवहो

(C) कंसवहो

(D) जीववहो

35. 'तेण भुवणेक्क गुरूणो नमो अणेगंतवायस्स'

इमेण गाहाए अंसेण इमं नमस्कारं किंद–

इस गाथांश के द्वारा इस को नमस्कार किया गया है–

Respect has been paid to this is line of gātha-

(A) अनेकांतवाद

(B) संशयवाद

(C) शून्यवाद

(D) क्षणिकवाद

36. 'एशा णाणकमोशिका कामकशिका मच्छाशिका'।

इमा गाहाए पंत्ती इमे गंथे पजुत्ता–

यह गाथा की पंक्ति इस ग्रंथ में प्रयुक्त है।

This line of गाथा is found in this work-

(A) कर्पूरमंजरी

(B) अभिज्ञानशाकुंतलम्

(C) मृच्छकटिकम्

(D) शृंगारमंजरी

37. कुवलयमालाकहा गंथस्स भासा इमा अत्थि।

कुवलयमालाकथा ग्रंथ इस भाषा में लिखा गया है।

The kuvalayamala katha work is written in this language-

(A) मागधी प्राकृत

(B) शौरसेनी प्राकृत

(C) अपभ्रंश प्राकृत

(D) महाराष्ट्री प्राकृत

38. 'बहुं खु मुणिणो भद्दं अणगारस्स भिक्खुणो'
गाहाए इमा पंत्ती इमे गंथे पत्तमत्थि–
यह गाथा की पंक्ति इस ग्रंथ में प्राप्त है–
This line of gātha is found in this work-
(A) उत्तराध्ययन सूत्र
(B) आचारांगसूत्र
(C) प्रवचनसार
(D) द्रव्यसंग्रह

39. णायकुमारचरिउ गंथस्स लेहगो अत्थि–
णायकुमारचरिउ ग्रंथ का लेखक है–
णायकुमारचरिउ is composed by-
(A) विबुधश्रीधर
(B) स्वयंभू
(C) पुष्पदंत
(D) वीरकवि

40. घणसामो अस्स गंथस्स लेहगो अत्थि–
घनश्याम इस ग्रंथ के लेखक हैं
Ghanashyama is the author of -
(A) रंभामंजरी
(B) आनंदसुंदरी
(C) विलासवई
(D) कर्पूरमंजरी

41. बंभीलिवीए पयोगं इमेसु सिलालेहेसु अत्थि–
ब्राह्मी लिपि इन शिलालेखों में प्रयुक्त हुई है–
Brahmi Script is used in the following inscription-
(A) प्राचीनतम प्राकृत शिलालेख
(B) मध्ययुगीन संस्कृत शिलालेख
(C) आधुनिक शिलालेख
(D) श्रवणबेलगोल के शिलालेख

42. हेमचंदो अस्स महाकव्वस्स लेहगो अत्थि–

हेमचंद्र इस महाकाव्य के लेखक हैं–

Hemachandra is the author of epic-

(A) लीलावइकहा

(B) पउमचरियं

(C) गउडवहो

(D) कुमारपालचरियं

43. उज्जोयणसूरी इमस्स गंथस्स लेहगो अत्थि–

उद्योतनसूरि इस ग्रंथ के लेखक हैं–

Udyotanasūri is the author of this work-

(A) रयणवालकहा

(B) रयणचूडरायचरियं

(C) कुवलयमालाकहा

(D) महीवालकहा

44. सम्मइतक्कपगरणस्स लेहगो अत्थि–

सन्मतितर्कप्रकरण के लेखक हैं–

The author of the सन्मतितर्क प्रकरण is -

(A) वट्टकेर

(B) सिद्धसेन

(C) वीरसेन

(D) जिनसेन

45. उत्तरज्झयणसुत्ते नमिपवज्ज–अझयणस्स कम संखा अत्थि–

उत्तराध्ययनसूत्र में नमिपवज्जा–अध्ययन की क्रमसंख्या है–

The chapter number of नमिपवज्जा in उत्तराध्ययन सूत्र is-

(A) आठ

(B) दस

(C) बारह

(D) नौ

46. गउडवहो महाकव्वस्स नायगो अत्थि–
गउडवहो महाकाव्य का नायक है–
The hero of the epic गउडवहो is-
(A) सातवाहन
(B) यशोवर्मा
(C) प्रवरसेन
(D) कुमारपाल

47. पाइयलच्छीनाममाला गंथस्स लेहगो अत्थि
पाइयलच्छीनाममाला के लेखक हैं–
पाइयलच्छीनाममाला is composed by-
(A) हेमचंद्र
(B) धनपाल
(C) सोमदेव
(D) धनंजय

48. सोरसेनी आगम गंथाण मूलं इदं पाइय–पाईणं गंथं अत्थि–
शौरसेनी आगम ग्रंथ इस प्राचीन प्राकृत ग्रंथ पर आधारित है–
शौरसेनी canonical works are based on this early Prakrit text-
(A) दृष्टिवाद
(B) कसायपाहुड
(C) तिलोयपण्णत्ति
(D) मूलाचार

49. वसुदेव हिंडी गंथस्स लेहगो अत्थि–
वसुदेवहिंडी का लेखक है–
The author of Vasudevahindi is -
(A) विमलसूरि
(B) संघदास गणि
(C) देवर्द्धि गणि
(D) शिवार्य

50. अस्स गंथस्स वण्ण–विसयं समाहिमरणं अत्थि–

यह ग्रंथ समाधिमरण पर प्रकाश डालता है–

This text deals with Samādhimarana-

(A) प्रवचनसार

(B) भगवती आराधना

(C) गोमटसार

(D) पउमचरियं

- o O o -

Space For Rough Work